e-ISSN:2582-7219

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Volume 7, Issue 4, April 2024

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.521

International Journal Of Multidisciplinary Research In Science, Engineering and Technology (IJMRSET)

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 4, April 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0704044 |

जनपद फिरोजाबाद में जेडा झाल नहर परियोजना : उपयोगिता एवं महत्व – एक प्रतीक अध्ययन

डॉ0 जयदेव सिंह (सहायक अध्यापक)

श्री आर0के0 इण्टर कॉलेज,

कोटला, फिरोजाबाद (उ0प्र0)

भूमिका :

जल प्रकृति प्रदत्त निःशुल्क उपहार है। जल समस्त जीवधारियों के लिए जीवन का आधार है। समस्त पृथ्वी के दो तिहाई भू–भाग पर जल तथा एक तिहाई भाग पर स्थलखण्ड हैं। प्रकृति में व्याप्त इस जल का 97.2 प्रतिशत भाग महासागरों में विद्यमान है, 2 प्रतिशत हिम के रूप में तथा शेष भाग धरातल पर नदियों, झीलों, तालाब तथा कुँओं के रूप में मिलता है। इस प्रकार पीने योग्य जल सीमित मात्रा में है अतः जल का संरक्षण एवं प्रबन्धन करना अति आवश्यक है। जल संसाधन वितरण एवं उपयोग पर विभिन्न विद्वानों ने कार्य किया है इस दृष्टि से पारटिक आर. (1974)[1] जाट वी.सी., मिश्रा एस.पी.(2015)[3] तथा गुर्जर राजकुमार (2017)[4] प्रमुख विद्वान हैं।

अध्ययन क्षेत्र परिचय :

फिरोजाबाद जनपद गंगा–यमुना नदियों द्वारा निर्मित दो–आव के उपजाऊ एवं समतल मैदान का एक भाग है। जनपद में 9 विकासखण्ड यथा नारखी, टूण्डला, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद, मदनपुर, अराँव, एका, खैरगढ़ तथा जसराना है। जनपद उ0प्र0 के उत्तरी–पश्चिमी भाग में 26°54' अक्षांश से लेकर 27°30' उत्तरी अक्षांश तक तथा 70°12' पूर्वी देशान्तर से 78°50' पूर्वी देशान्तर तक 2366.84 वर्गकिमी0 क्षेत्र पर विस्तृत है। जनपद में कुल 1667334 जनसंख्या है जिसमें 893150 पुरूष तथा 774184 स्त्री जनसंख्या है।

विधितन्त्र :

प्रस्तावित शोध पत्र को पूर्ण करने के लिए आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार की सूचनाओं का संकलन किया है। प्राथमिक आँकड़ों का संकलन प्रश्नोत्तरी के माध्यम से तथा द्वितीयक आँकड़ों का संकलन जनपद साँख्यिकीय पत्रिका से किया है।

उद्देश्य :

यों तो शोध कार्य का कोई न कोई उद्देश्य अवश्य होता है फिर भी शोधार्थी का यहाँ अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य जेडा झाल परियोजना जल आपूर्ति का नवीनतम प्रोजेक्ट है इसका जनपद में शहरी क्षेत्र के लिए विशेष महत्व है इस अध्ययन के निम्नवत उद्देश्य हैः–

1– अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 4, April 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0704044 |

2– जेडा झाल परियोजना की उपयोगिता को जानना।

3– जल प्रबन्धन एवं संरक्षण प्रदान करना।

4– अध्ययन समस्या का समाधान एवं सुझाव प्रस्तुत करना।

जेडा झाल परियोजना नहर उपयोग एवं महत्व :

जेडा झाल नहर परियोजना का शुभारम्भ 16 मार्च 2013 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने किया था जिसका निर्माण कार्य वर्ष 2018 में पूर्ण हुआ है जिसका उदघाटन माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने किया है यह नहर जिले के जसराना तहसील के जेडा गाँव से हाथवन्त विकास खण्ड के गॉव नन्दपुर तक निकाली गई है इस नहर में 200 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है जिसमें 150 क्यूसेक सिचांई के लिए तथा 50 क्यूसेक जल पीने के लिए उपयोग हो रहा है। इस नहर की कुल लम्बाई 65 किलोमीटर है। नन्दपुर गाँव से फिरोजाबाद शहर को पाइपलाइन द्वारा जल की आपूर्ति हो रही है। फिरोजाबाद शहर में सैलई गॉव पर वाटर ट्रीटमेंन्ट प्लान्ट बना है जहाँ से सम्पूर्ण फिरोजाबाद को जल आपूर्ति की जा रही है इस नहर निर्माण में 488 करोड रूपये की लागत लगी है। वाटर ट्रीटमेंन्ट प्लान्ट तथा नन्दपुर झील पर 200 नलकूप तथा 500 सबमर्सिबल काम कर रही हैं। जेडा झाल नहर परियोजना के विभिन्न फोटोग्राफ संलग्न हैं।

जल मानव के अलावा सभी जीव धारियों के लिए अनिवार्य व उपयोगी संसाधन है इसके बिना जीवन सम्भव नहीं है। फिरोजाबाद जनपद औधोगिक नगर है जहाँ पर विशाल जनसंख्या निवास कर रही है। शहरी क्षेत्र में भूमिगत जल खारापन लिये हुए है मीठे पानी की हमेशा किल्लत बनी हुई थी। मीठे पानी के लिए कई बार आन्दोलन व धरना प्रदर्शन हुए। परिणाम स्वरूप यह बहुप्रतीक्षित परियोजना फिरोजाबाद शहर के लिए जल की आपूर्ति अमृत पान से कम नहीं है। नगर की मलिन बस्तियों में पानी की भारी कमी रहती थी जो अब गंगा जल से आपूर्ति हो रही है। इस परियोजना का जल पीने के साथ–साथ सिंचाई में भी उपयोग हो रहा है इस नहर से 76 पक्के माइनर निकाले गये हैं जिनसे लगभग 100–200 गाँव व मजरों की कृषि में सिंचाई हो रही है। यहाँ पर कुड़ी, ककरारा, पडरिया, बेरनी, सनोरा, नगला पुरविया, नन्दपुर, कोडर, हाथवन्त, प्रतापपुर, नायकपुर, हुसैनपुर आदि गाँवों का पानी खारा है जो सिंचाई के भी काम नहीं आता था। जिससे कृषि उत्पादन बहुत कम होता था। वर्तमान समय में सिंचाई के लिए जल आपूर्ति होने से यहाँ कृषि का उत्पादन बढ़ा है और पशुपालन व्यवसाय में भी वृद्धि हुई है। परिणाम स्वरूप कृषक उन्नति की ओर अग्रसर हैं।

जल विदोहन व दुरूपयोग :

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 4, April 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0704044 |

जेडा झाल नहर परियोजना के तहत ग्रामीणों तथा फिरोजाबाद शहर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराये जाने के साथ–साथ सिंचाई के लिए भी जल की आपूर्ति हो रही है। इसमें जलदाय विभाग, सिंचाई विभाग तथा मनरेगा जैसे विभाग समन्वित होकर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यहाँ जल विदोहन की समस्यायें जनित हो रही हैं इस पर ध्यान आकृष्ट करने की आवश्यकता है :–

(1) अध्ययन क्षेत्र में नवीन नहर निर्माण से भूमि अधिग्रहीत की गयी है जिसमें किसानों को उचित मुआवजा भी दिया गया है लेकिन फिर भी नहर के किनारे अतिक्रमण किया जा रहा है जिससे नहर के रख रखाव में दिक्कत हो रही है पटरी क्षतिग्रस्त होने के कारण जल का अनायास रिसाव हो रहा है।

(2) नहर में अनाधिकृत रूप से पशुओं को उसी में नहलाया जा रहा है जिससे जल प्रदूषित हो रहा है।

(3) कृषक सिंचाई के लिए किर्लोस्कर इंजन रख लेते हैं और अवैध रूप से जल की निकासी करते हैं।

(4) नहर में साफ–सफाई का अभाव है जिससे जल की गुणवत्ता की कमी के साथ जल का अपव्यय भी हो रहा है।

(5) नहर के बीच–बीच में बाँध क्षतिग्रस्त हो गये हैं जिस पर सिंचाई विभाग का ध्यान न देने के कारण जल का रिसाव हो रहा है। यह गम्भीर समस्या है।

जेडा झाल नहर

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 4, April 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0704044 |

जेडा झाल झील (नन्दपुर गांव)

(6) कृषक बिना मेडबन्दी के खेतों में खुला पानी छोड़ देते हैं जिससे आवश्यकता से अधिक पानी खेतों में लग जाता है जिससे जल विदोहन हो रहा है।

निष्कर्ष एवं सुझाव :

प्रस्तुत शोध पत्र फिरोजाबाद जनपद में जेडा झाल नहर परियोजना की उपयोगिता एवं महत्व शीर्षक पर एक प्रतीकात्मक अध्ययन है। जैसा कि सभी जानते हैं कि जल अमूल्य निधि है जल के बिना जीवन सम्भव नहीं है। जनपद में यह नहर मील का पत्थर साबित हुई है। इस नहर ने प्यासे शहर को पानी मिलाने का काम किया है। इस नहर ने जिले के मध्यवर्ती भू–भाग को बंजर क्षेत्र होने से बचा लिया है। यहाँ के कृषकों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगा है। जिससे कृषि उत्पादन भी बढ़ा है। यह अध्ययन जिले के लिए उपयोगी एवं महत्व का है। इस परियोजना में कुछ समस्यायें हैं जिनके लिए निम्नवत् सुझाव प्रस्तुत हैं :–

1– वाटर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट की समय–समय पर रखरखाव एवं मरम्मत करना।

2– नहर के बाँधों को मजबूत बनाना।

3– नहर की समय–समय पर सफाई करना।

4– नहर की पटरी को समय–समय पर मजबूत बनाना।

5– कृषकों का जल विदोहन रोकने हेतु टास्क फोर्स गठित करना।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.521| Monthly Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 7, Issue 4, April 2024 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2024.0704044 |

सन्दर्भ–सूची / REFERENCES :

1. Partick, R. (1974):A View Point rom the life science in water and the Environmental crunch, Princeton Univ. Conf.
2. जाट, बी.सी. (2000) न्यू संस्करण, जल ग्रहण प्रबन्ध पोइन्टर पब्लिशर्स
3. मिश्रा, एस.पी. (2015) जल संसाधन प्रबन्ध एवं संरक्षण आविष्कार प्रकाशन, जयपुर
4. गुर्जर, राजकुमार एवं बी.सी. जाट (2017) न्यू संस्करण जल संसाधन भूगोल रावत प्रकाशन

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

| Mobile No: +91-6381907438 | Whatsapp: +91-6381907438 | ijmrset@gmail.com |

www.ijmrset.com